MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
April 2024

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

मैनेज ने "जय जवान किसान" प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे बैच का शुभारंभ किया

मैनेज ने दिनांक 26 अप्रैल, 2024 को "जय जवान किसान" प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे बैच का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य जल सेना, स्थल सेना और वायु सेना के 40 सेवानिवृत्त सैनिकों को कृषि उद्यमिता कौशल से सशक्त बनाना है। भारत सरकार के पुनर्वास महानिदेशालय रक्षा मंत्रालय द्वारा समर्थित यह पहल दिनांक 22 अप्रैल से 9 अगस्त, 2024 तक चलेगी, जो कृषि क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करेगी।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक मैनेज ने सैनिकों की समर्पित सेवा के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया और सेवा के बाद की यात्रा में उन्हें सशक्त बनाने के लिए कार्यक्रम के मिशन को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृषि खाद्य उत्पादन का एकमात्र स्रोत और एक सदाबहार उद्यम है, लेकिन इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को उत्पादन में शामिल करना नहीं है, बल्कि उन्हें कृषि उद्यमों में शामिल करना है। उन्होंने प्रतिभागियों को चार साल की कृषि शिक्षा के बराबर व्यापक प्रशिक्षण देने का वादा किया। कृषि विषयों के परस्पर संबंध पर जोर देते हुए उन्होंने ज्ञान संबंधित किसी भी अंतर को कम करने के लिए।

महानिदेशक का संदेश

जय जवान किसान कार्यक्रम के माध्यम से परिवर्तनकारी बदलाव

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैनेज के नवाचारों में से एक - जय जवान किसान कार्यक्रम पूर्व सैनिकों के जीवन में परिवर्तनकारी बदलाव ला रहा है। जय जवान किसान कार्यक्रम, हालांकि एक छोटी अवधारणा के रूप में शुरू किया गया था, परंतु पिछले एक साल में इसने गति पकड़ लिया और अब इसे सभी क्षेत्रों से समर्थन और प्रशंसा मिल रहा है। रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पुनर्वास महानिदेशालय ने जय जवान किसान कार्यक्रम के पूर्व सैनिकों को कृषि उद्यमियों में बदलने के लिए उपयुक्त कार्यक्रमों में से एक के रूप में पहचाना है और वर्ष 2023 में दो कार्यक्रमों (प्रत्येक 4 महीने की अवधि) को समर्थन दिया है, जिसमें 79 पूर्व सैनिकों ने मैनेज में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसी तरह, नाबार्ड, हैदराबाद ने तेलंगाना राज्य में 50 पूर्व सैनिकों के लिए एक कार्यक्रम (15 दिन की अवधि) का समर्थन किया है। इन कार्यक्रमों का प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण है और इसने हमारे विश्वास को मजबूत किया है कि जय जवान किसान कार्यक्रम निश्चित रूप से पूर्व सैनिकों को सफल कृषि उद्यमियों में बदलने में योगदान देगा।

मुझे उन पूर्व सैनिकों की सफलता की कहानियों को साझा करते हुए खुशी हो रही है, जिन्हें जय जवान किसान कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया है और नाबार्ड, हैदराबाद द्वारा समर्थन दिया गया। ग्यारह पूर्व सैनिकों ने हैदराबाद में एक खुदरा बिक्री केंद्र "सैनिक खेतीहार" शुरू किया है। सैनिक खेतीहार किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) से सीधे रसायन मुक्त कदन्न और अन्य कृषि उत्पादों की खरीद और उचित दरों पर उपभोक्ताओं को प्राकृतिक कृषि उपज की आपूर्ति करने का एक नवीन व्यापार मॉडल अपनाता है। यह तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ से प्राकृतिक रूप से उगाए गए कदन्न खरीदता है और आदिवासी किसानों को बाजार संपर्क प्रदान करता है। पूर्व सैनिक श्री ए. श्रीनिवास रेड्डी एक करोड़ रुपये मूल्य की बकरी पालन परियोजना शुरू कर रहे हैं। वह राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) योजना के तहत समर्थन मांग रहे हैं और इसकी 50 प्रतिशत सब्सिडी और 40 प्रतिशत ऋण प्रावधानों का लाभ उठाने का लक्ष्य रखते श्री एन रामा राव एक और पूर्व सैनिक हैं, जो पीएमईजीपी योजना के तहत 84 लाख रुपये की परियोजना लागत से 100 पशुओं के साथ डेयरी फार्मिंग उद्यम शुरू कर रहे हैं। दो पूर्व सैनिक श्री मुकेश कुमार रे और श्री के शिवाजी कृषि इनपुट डीलरशिप के लिए देसी कार्यक्रम (इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा) में शामिल हुए हैं। सफलता की कहानियों की सूची बढ़ती जा रही है। इन प्रभाव कहानियों को देखते हुए, मुझे यकीन है कि जय जवान किसान कार्यक्रम कृषि में पूर्व सैनिकों के लिए दूसरा करियर का द्वार खोलेगा। सफलता की इस होड़ के साथ, मैनेज ने रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पुनर्वास महानिदेशालय के समर्थन से जल सेना, स्थल सेना और वायु सेना के 40 सेवानिवृत्त सैनिकों के लिए अप्रैल 2024 में जय जवान किसान कार्यक्रम का तीसरा बैच शुरू किया है। मुझे विश्वास है कि जय जवान किसान कार्यक्रम एक नवीन कार्यक्रम के रूप में उभरेगा, जो न केवल पूर्व सैनिकों को कृषि उद्यमियों में बदलेगा, बल्कि देश में कृषि क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित पेशेवरों का एक अनुशासित कैडर भी तैयार करेगा।

डॉ. पी. चन्द्रा शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

इस अंक में .....

- मैनेज ने "जय जवान किसान" प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे बैच का शुभारंभ किया 1 & 3
- महानिदेशक का संदेश 2
- ब्रिगेडियर रोहित मेहता ने मैनेज में रक्षा से कृषि उद्यमिता संक्रमण कार्यक्रम की जांच की 3
- जय जवान किसान कार्यक्रम की समीक्षा 4
- एग्रीटेक स्टार्ट-अप प्रोग्राम पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 5
- कृषि विस्तार में नई सीमाएं 6
- मैनेज ने प्राकृतिक खेती पर समीक्षा बैठक आयोजित की 7
- मैनेज ने जीकेवीके, बेंगलुरु में 5 दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण का आयोजन किया 7
- इरोड किसान मेले में कृषि अधिकारी श्रीमती लता 8
- मैनेज ने ईशा आउटरीच और पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया 8
- मैनेज निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के साथ कर्मचारी स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है 9
- मैनेज में स्वचालित रोटी बनाने की मशीन 9

मैनेज ने "जय जवान किसान" प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे बैच का शुभारंभ किया

व्यापक समझ के महत्व को रेखांकित किया तथा वित्तपोषण के लिए वित्तीय संस्थानों के साथ सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया। उन्होंने सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को समायोजित करने के लिए इस कार्यक्रम के संस्थागतकरण की भी कल्पना की, जिससे राष्ट्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल पी. रमेश कुमार (सेवानिवृत्त), निदेशक राज्य सैनिक कल्याण, मुख्यालय 47 इन्फैंट्री कर्नल एचएस ग्रेवाल, एसओ लैंड, ब्रिगेड कल्याण और श्री संजय कुमार, सहायक महाप्रबंधक, एसबीआई के शामिल थे। कर्नल रमेश कुमार ने पिछले प्रतिभागियों की सफलता की कहानियों पर प्रकाश डाला और सशस्त्र बलों को कृषि उद्यमिता अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कर्नल एचएस ग्रेवाल ने स्थानीय जरूरतों को समझने और एसबीआई से पर्याप्त वित्तीय सहायता का लाभ उठाने पर जोर दिया, जिसमें पचास प्रतिशत सब्सिडी के साथ बड़े पैमाने पर ऋण की हालिया रिपोर्ट शामिल हैं। श्री संजय कुमार ने कृषि क्षेत्र में एसबीआई की भूमिका और कृषि-उद्यमों का समर्थन करने के लिए वित्तपोषण के क्षेत्रों पर विस्तार से बताया।

"जय जवान किसान" कार्यक्रम का समन्वय डॉ. एन. बालसुब्रमणी, निदेशक (एसएएंडसीसीए) और श्रीमती बाम्मीदी उज्ज्वला, सलाहकार, मैनेज द्वारा किया गया।

ब्रिगेडियर रोहित मेहता ने जय जवान किसान कार्यक्रम की सराहना की

ब्रिगेडियर रोहित मेहता, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी), पुनर्वास निदेशालय (दक्षिण क्षेत्र), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 30 अप्रैल, 2024 को पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) द्वारा प्रायोजित जय जवान किसान कार्यक्रम के माध्यम से रक्षा कर्मियों को कृषि उद्यमियों में बदलने में मदद करने वाली गतिविधियों के बारे में जानने के लिए मैनेज का दौरा किया।

उन्होंने पूर्व सैनिकों के जीवन में बदलाव लाने के लिए जय जवान किसान कार्यक्रम की सराहना की तथा रक्षा कर्मियों के लिए प्रशिक्षण के बाद सहायता में सुधार लाने के लिए विचार साझा किए।

डॉ. एन. बालसुब्रमणी, निदेशक, (एसए एंड सीसीए), मैनेज ने उन्हें मैनेज की गतिविधियों और जय जवान किसान कार्यक्रम की सफलता की कहानियों, खासकर तेलंगाना में नाबार्ड प्रायोजन के तहत पूर्व सैनिकों के उद्यमों की शुरूआत के बारे में जानकारी दी। ब्रिगेडियर मेहता ने मैनेज में चल रहे जय जवान किसान कार्यक्रम के तीसरे बैच के उम्मीदवारों को भी संबोधित किया।

जय जवान किसान कार्यक्रम की समीक्षा

जय जवान किसान कार्यक्रम की परियोजना निगरानी और कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 4 अप्रैल, 2024 को मैनेज में हुई, ताकि कार्यक्रम की प्रगति का आकलन किया जा सके। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. एन. बालसुब्रमणी, निदेशक (सीसीए) और सुश्री स्वाति तिवारी, उप महाप्रबंधक, पीएमआईसी सदस्य और कर्नल रमेश कुमार, सैनिक कल्याण निदेशक, तेलंगाना राज्य ने जय जवान किसान कार्यक्रम की समीक्षा की।

दिनांक 4 से 18 सितंबर, 2023 तक आयोजित जय जवान किसान कार्यक्रम का उद्देश्य सेवानिवृत्त सैनिकों को कृषि और संबद्ध क्षेत्र के कौशल से लैस करना है ताकि सेवानिवृत्ति के बाद स्वरोजगार के अवसर पैदा किए जा सकें। डॉ. एन. बालसुब्रमणी ने इस कार्यक्रम के उद्देश्यों, प्रगति और प्रभावशाली कहानियों पर एक व्यापक प्रस्तुति दी।

सुश्री स्वाति तिवारी और कर्नल रमेश कुमार ने इस कार्यक्रम की अंतर्दृष्टि का दस्तावेजीकरण करने और सफल उम्मीदवारों की यात्रा को प्रदर्शित करने वाली एक लघु फिल्म बनाने का सुझाव दिया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा ने इन सुझावों का समर्थन किया और कार्यक्रम में सुधार का प्रस्ताव दिया, जिसमें कठोर जांच, प्रशिक्षण के बाद मार्गदर्शन, बैंकिंग सहायता, तथा पाठ्यक्रम में सीमा पर्यटन और कृषि पर्यटन को शामिल करना शामिल है।

प्रशिक्षण के बाद, पीएमआईसी सदस्यों ने जय जवान किसान के प्रतिभागियों से बातचीत की, जिन्होंने अपनी सीख और प्रगति साझा की। यह प्रतिभागियों के लिए छठी और अंतिम भौतिक समीक्षा बैठक थी।

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

इंडोनेशियाई अधिकारियों के लिए एग्रीटेक स्टार्टअप कार्यक्रम

मैनेज ने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के दो सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईटीईसी) की शुरुआत की। इस कार्यक्रम का विषय "कृषि मूल्य श्रृंखला को बढ़ाने के लिए एग्रीटेक स्टार्टअप्स" था। दिनांक 19 अप्रैल से 02 मई, 2024 तक चलने वाले इस कार्यक्रम में इंडोनेशिया के पच्चीस कृषि अधिकारियों का स्वागत किया गया। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को भारतीय कृषि-स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र से परिचित कराना, कृषि मूल्य श्रृंखलाओं में नवाचारों पर प्रकाश डालना और उन्हें अपने देश में इसी तरह के पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना था। एजेंडे में कृषि स्टार्टअप विशेषज्ञों द्वारा संचालित सत्र और हैदराबाद में कृषि स्टार्टअप के लिए फील्ड विजिट शामिल थे।

इस उद्घाटन के दौरान डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने बताया कि किस तरह कृषि में अवसर, चुनौतियां और मशीनीकरण कृषि-स्टार्टअप के लिए दरवाजे खोल रहा है। उन्होंने नारियल, कॉफी और सुपारी जैसी फसलों के उदाहरण दिया और बताया कि किस तरह कटाई तकनीक और कटाई के बाद की प्रक्रियाओं में प्रगति कृषि-स्टार्टअप के लिए बेहतर अवसर प्रस्तुत कर रही है।

डॉ. सरवनण राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज और सीईओ मैनेज सीआईए, कार्यक्रम के निदेशक ने चर्चा की कि कैसे भारत में स्टार्टअप अब डिजिटल नवाचारों, आधुनिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकियों से जुड़े हुए हैं। सीमाओं से परे कृषि स्टार्टअप को बढ़ावा देने में मैनेज के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कृषि और खाद्य प्रणालियों में महिला सशक्तिकरण के लिए भारत-जर्मनी-मलावी पहल के साथ साझेदारी में मलावी में महिला कृषि-स्टार्टअप स्थापित करने में मैनेज के प्रयासों का उल्लेख किया। इस कार्यक्रम में मैनेज के संकाय सदस्य भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय युवा पेशेवर विकास कार्यक्रम

कृषि विस्तार में नई सीमाएं

मैनेज ने दिनांक 22 अप्रैल, 2024 को पांच दिवसीय राष्ट्रीय युवा पेशेवर विकास कार्यक्रम शुरू किया, जिसका शीर्षक है कृषि विस्तार में नई सीमाएँ शिर्षक से शुरु किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि विस्तार और सलाहकार सेवाओं को बढ़ाना और उन्नति करना है। सहायक प्रोफेसरों, शिक्षण सहयोगियों, एमएससी छात्रों और पीएचडी छात्रों सहित कुल 46 प्रतिभागियों ने इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य वैश्विक स्तर पर कृषि विस्तार के क्षेत्र में मौजूद विशाल संभावनाओं को उजागर करना, साथ ही इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों, आवश्यक कौशल और दक्षता बढ़ाने के लिए रणनीतियों की पहचान करना भी था।

इस कार्यक्रम में गुणात्मक शोध पद्धतियों, कृषि में लैंगिक समानता, नीतिगत सहभागिता, सामाजिक समावेशन, कृषि विस्तार में निगरानी और मूल्यांकन तथा डिजिटल नवाचारों सहित विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की गई। प्रतिभागियों को सामुदायिक विस्तार प्रयासों का अवलोकन करने तथा उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डैक) में कृषि में आईसीटी अनुप्रयोगों का पता लगाने के लिए सतत कृषि केंद्र (सीएसए) का दौरा करने का अवसर मिला।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक, कृषि विस्तार एवं मैनेज-सीआईए के सीईओ ने इस कार्यक्रम का निर्देशन किया।

मैनेज ने प्राकृतिक खेती पर समीक्षा बैठक आयोजित की

मैनेज ने संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ प्राकृतिक खेती पर समीक्षा बैठक की मेजबानी की। डॉ. योगिता राणा, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने प्राकृतिक खेती परियोजना के तहत संचालित विभिन्न गतिविधियों का आकलन करने के लिए दिनांक 01 अप्रैल, 2014 को मैनेज का दौरा किया।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज के नेतृत्व में प्राकृतिक खेती टीम ने सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. एन. बालसुब्रमणी, निदेशक (एसए और सीसीए), मैनेज, जो प्राकृतिक खेती परियोजना का निर्देशन करते हैं, ने संयुक्त सचिव (आईएनएम) को परियोजना के महत्वपूर्ण मील के पत्थरों के बारे में जानकारी दी। इनमें 309 मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, जिला स्तर पर कृषि सखी कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने के लिए 1897 प्रशिक्षकों को सशक्त बनाना, प्राकृतिक खेती में लगभग 20,000 कृषि सखियों को प्रमाणित करना और देश भर में अपनाने के लिए किसानों की सर्वोत्तम प्रथाओं का दस्तावेजीकरण करना शामिल है। इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक कार्य योजना पर भी चर्चा की गई।

अपने समापन भाषण में संयुक्त सचिव (आईएनएम) ने प्राकृतिक खेती में विस्तार कार्यकर्ताओं की विशेषज्ञता बढ़ाने में मैनेज के एक वर्षीय प्रमाणित प्राकृतिक खेती सलाहकार कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।

मैनेज ने जीकेवीके, बेंगलुरु में 5 दिवसीय प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण का आयोजन किया

मैनेज ने जीकेवीके, बेंगलुरु में प्राकृतिक खेती पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। दिनांक 25 से 29 मार्च, 2024 तक आयोजित इस कार्यक्रम में गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 49 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में पेशेवरों की विशेषज्ञता को बढ़ाना था। मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा करके और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर, इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों को पूरे भारत में प्राकृतिक खेती के तरीकों को बेहतर बनाने के लिए सशक्त बनाना था। यह सहयोगात्मक प्रयास क्षेत्र में सतत कृषि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मैनेज ने ईशा और पतंजलि के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

दिनांक 16 अप्रैल, 2024 को आयोजित एक ऑनलाइन बैठक के दौरान मैनेज ने ईशा आउटरीच और पतंजलि जैविक अनुसंधान संस्थान (पीओआरआई) के साथ दो अलग-अलग समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने श्री स्वामी कलाघाटा, ईशा आउटरीच के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया और साथ ही, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज द्वारा श्री पवन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, पतंजलि जैविक अनुसंधान संस्थान (पीओआरआई) के साथ एक अन्य समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किया गया।

दोनों समझौतों के उद्देश्यों में प्राकृतिक खेती, पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देना, साथ ही पौधों और मृदा स्वास्थ्य और संरक्षण प्रयासों को बढ़ाना शामिल है।

इन समझौता ज्ञापनों का उद्देश्य पोषण सुरक्षा, पौधों और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, मृदा संरक्षण और प्राकृतिक खेती पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करने के लिए मैनेज और दोनों संगठनों के बीच सहयोग को सुविधाजनक बनाना था। डॉ. एन. बालसुब्रमणी, निदेशक (सीसीए और सीएसए) मैनेज, प्राकृतिक खेती परियोजना टीम और ईशा आउटरीच और पतंजलि जैविक अनुसंधान संस्थान के प्रतिनिधि वर्चुअल रूप से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

किसान मेले में मैनेज प्रशिक्षित प्रमाणित प्राकृतिक खेती सलाहकार श्रीमती लता

मैनेज प्राकृतिक खेती में विस्तार कार्यकर्ताओं के ज्ञान और कौशल को समृद्ध करने के लिए प्रमाणित प्राकृतिक खेती सलाहकार (सीएफए-एनएफ) कार्यक्रम पर एक वर्षीय पाठ्यक्रम प्रदान करता है। मॉड्यूल-III के भाग के रूप में, कृषि अधिकारी श्रीमती लता ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा आयोजित तमिलनाडु के इरोड में एक किसान मेले में भाग लिया और किसानों को प्राकृतिक खेती के तरीकों के बारे में जागरूक किया। इरोड जिले के संयुक्त कृषि निदेशक श्री वेंगटेसन ने कृषि उपनिदेशक (कृषि व्यवसाय) श्री महादेवन और कृषि अधिकारी श्रीमती सुमति के साथ समारोह का उद्घाटन किया।

मेले में 200 से अधिक किसानों ने भाग लिया और विभिन्न प्राकृतिक कृषि उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले प्रदर्शनी स्टालों का उत्साहपूर्वक अवलोकन किया।

मैनेज ने अपने कर्मचारियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

मैनेज ने दिनांक 26 अप्रैल, 2024 को ज़ोई हॉस्पिटल्स, अत्तापुर, हैदराबाद के साथ मिलकर एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य मैनेज कर्मचारियों (अनुबंधित और आउटसोर्स सहित) के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों और मैनेज परिसर में रहने वाले निवासियों की भलाई को प्राथमिकता देना था।

स्वास्थ्य शिविर में नेत्र, दंत और ईएनटी की निःशुल्क जांच की गई, जिससे मैनेज कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए व्यापक देखभाल सुनिश्चित हुई।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज स्टाफ के साथ, कर्नल पी. रमेश कुमार (सेवानिवृत्त), निदेशक, राज्य सैनिक कल्याण ने मुख्यालय 47 इन्फैंट्री ब्रिगेड कल्याण के एसओ लैंड कर्नल एचएस ग्रेवाल और एसबीआई के सहायक महाप्रबंधक श्री संजय कुमार मुख्य अतिथि के रूप में, जय जवान के 40 प्रतिभागियों के साथ मेडिकल कैंप में शामिल हुए।

मैनेज में स्वचालित रोटी बनाने की मशीन

मैनेज ने दिनांक 6 अप्रैल 2024 को अपने छात्रावास में एक स्वचालित रोटी बनाने वाली मशीन स्थापित की है। डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने मशीन का उद्घाटन किया। यह मशीन प्रति घंटे 1000 रोटियाँ बना सकती है। उद्घाटन के दौरान छात्रावास के कर्मचारियों ने मशीन के संचालन का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में सभी कर्मचारी और मैनेज संकाय सदस्य मौजूद थे।

संपादकीय सदस्य

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा,
महानिदेशक
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: **www.manage.gov.in**

मुख्य संपादक
डॉ. पी. चंद्रा शेखरा,
महानिदेशक
संपादक
डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तालूरी
उप-निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज
हिन्दी अनुवाद
डॉ. के. श्रीवल्ली, सहायक निदेशक (रा.भा.), मैनेज
सुश्री पुजा दास,
वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज
सहायक संपादक
अपर्णा वी आर
मैनेज फेलो, मैनेज